सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) पर संस्थान की गुणवत्ता नीति डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान (डॉ. आर.एम.एल.आई.एम.एस.), लखनऊ

1. उद्देश्य

इस नीति का उद्देश्य डॉ. आर.एम.एल.आई.एम.एस. की कार्यप्रणाली में सतत विकास के सिद्धांतों को समाहित करना है, जिससे पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, सामाजिक जवाबदेही तथा संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप कार्य संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। यह नीति दीर्घकालिक पारिस्थितिक संतुलन, सामुदायिक कल्याण तथा सतत स्वास्थ्य सेवा पद्धतियों को सुनिश्चित करने हेतु बनाई गई है।

2. कार्यक्षेत्र

यह नीति संस्थान की सभी गतिविधियों पर लागू होगी, जिनमें शैक्षणिक कार्य, नैदानिक सेवाएँ, अनुसंधान, आधारभूत संरचना विकास, परिसर संचालन तथा सामुदायिक जनजागरूकता एवं विस्तार कार्यक्रम सम्मिलित हैं। इसके अंतर्गत पर्यावरण प्रबंधन, संसाधनों का उपयोग, अपशिष्ट प्रबंधन, सतत विकास आधारित शिक्षा, अनुसंधान तथा सामुदायिक सहभागिता शामिल हैं।

3. मूलभूत सिद्धांत

• **पर्यावरण संरक्षण (Environmental Stewardship):** प्राकृतिक संसाधनों का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग तथा पर्यावरण का संरक्षण।

• **सामाजिक उत्तरदायित्व (Social Responsibility):** सामुदायिक स्वास्थ्य, समानता एवं समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता।

• **स्वास्थ्य सेवाओं में सततता (Sustainability in Healthcare):** स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदायन एवं संस्थान के संचालन में सतत एवं पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों को अपनाना।

• **अंतरपीढ़ी उत्तरदायित्व (Intergenerational Responsibility):** यह सुनिश्चित करना कि वर्तमान में किए गए कार्य भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं एवं अवसरों को प्रभावित न करें।

• **राष्ट्रीय एवं वैश्विक लक्ष्यों के साथ समन्वय (Alignment with National and Global Goals):** संस्थागत योजना एवं जनस्वास्थ्य प्राथमिकताओं में सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) का समावेशन।

4. गुणवत्ता आश्वासन उपाय

• ऊर्जा संरक्षण, जल प्रबंधन एवं अपशिष्ट में कमी पर केंद्रित पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (Environmental Management System) को लागू करना।

• जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंधन नियमों एवं पर्यावरणीय विनियमों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करना।

• समय-समय पर ऊर्जा एवं पर्यावरणीय अंकेक्षण (Audit) कराना।

• हरित परिसर (Green Campus) की अवधारणा को बढ़ावा देना, जैसे—कागजरहित प्रशासन, डिजिटल प्रक्रियाएँ एवं पर्यावरण-अनुकूल आधारभूत संरचना।

• पर्यावरणीय स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास से संबंधित शिक्षण, अनुसंधान एवं जनजागरूकता गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।

5. सतत सुधार (Continuous Improvement)

• संस्थागत समितियों एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) के माध्यम से सतत विकास संबंधी गतिविधियों की नियमित समीक्षा करना।

• सततता से संबंधित संकेतकों की नियमित समीक्षा करना तथा उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों का अभिलेखीकरण करना।

• सतत विकास पहलों में सुधार हेतु हितधारकों की सहभागिता एवं सुझावों को प्रोत्साहित करना।

• अंकेक्षण निष्कर्षों, अनुसंधान परिणामों एवं समय-समय पर विकसित होने वाले पर्यावरणीय मानकों के आधार पर नीतियों एवं कार्ययोजनाओं का अद्यतन करना।